RBI की 50वीं मौद्रिक नीति समिति की बैठक

प्रिलिम्स के लिये:

भारतीय रिज़र्व बैंक, मौद्रिक नीति समिति, लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण, रेपो दर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, डिजिटल लेंडिंग ऐप्स, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस

मेन्स के लिये:

मौद्रिक नीति समिति के निर्णय, भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधनों का संग्रहण, वृद्धि, विकास और रोज़गार से संबंधित मुद्दे।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

भारतीय रिज़र्व बैंक की 50वीं मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक में ब्याज दरों और आर्थिक नीतियों पर उल्लेखनीय अपडेट सामने आई है।

- इस बैठक में लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (FIT) **अवसंरचना के आठ वर्षों** पर प्रकाश डाला गया तथा मुद्रास्फीति को प्रबंधित करने और आर्थिक दक्षता को बढ़ाने के उपायों को प्रस्तुत किया गया।

50वीं MPC बैठक के मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **MPC के दर निर्णय:**
  - MPC ने **नीतिगत रेपो दर को 6.50% पर अपरिवर्तित रखने** का निर्णय लिया। यह निर्णय मुद्रास्फीति के प्रबंधन और आर्थिक विकास का समर्थन करने हेतु समिति के वर्तमान दृष्टिकोण को दर्शाता है।
  - स्थायी जमा सुविधा (SDF) दर अपरिवर्तित रेपो दर के साथ संरेखित करते हुए 6.25% पर बनी हुई है।
  - **सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर और बैंक दर** दोनों दरें 6.75% पर निर्धारित की गई हैं। इन दरों का उपयोग अर्थव्यवस्था के भीतर तरलता और उधार लेने की लागत का प्रबंधन करने के लिये किया जाता है।
  - MPC का प्राथमिक लक्ष्य **मुद्रास्फीति को 4.0% के लक्ष्य के करीब लाने के लिये** धीरे-धीरे समायोजन को समाप्त करना है। मज़बूत आर्थिक विकास के बावजूद समिति आर्थिक विस्तार का समर्थन करते हुए **मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की आवश्यकता** पर ज़ोर देती है।
- **विकास का आकलन:**
  - **वैश्विक आर्थिक स्थिति: MPC ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिर लेकिन असमान वृद्धि दर्शा रही है। विनिर्माण क्षेत्र में मंदी का अनुभव हो रहा है जबकि सेवा उद्योग का प्रदर्शन अच्छा बना हुआ है।**
    - **प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति की दर में धीरे-धीरे कमी देखी जा रही है, हालाँकि सेवाओं की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।**
      - विभिन्न देश अलग-अलग मौद्रिक नीतियाँ अपना रहे हैं, कुछ केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती कर रहे हैं जबकि अन्य अपनी नीतियों को सख्त कर रहे हैं।
  - **चुनौतियाँ: प्रमुख वैश्विक चुनौतियों में जनसांख्यिकीय बदलाव,** जलवायु परिवर्तन, **भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ता सार्वजनिक ऋण और** कृत्रिम बुद्धिमत्ता **जैसी प्रौद्योगिकी में प्रगति शामिल हैं। ये कारक मध्यम अवधि के वैश्विक विकास परिदृश्य में अनिश्चितताओं में योगदान करते हैं।**
  - **घरेलू आर्थिक स्थिति: MPC ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की आर्थिक गतिविधि स्थिर मानसून प्रगति, उच्च** खरीफ **बुवाई और बेहतर जलाशय स्तर से प्रेरित सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ लचीली बनी हुई है।**
    - विनिर्माण और सेवा क्षेत्र मज़बूत हैं तथा औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है।
    - **ग्रामीण मांग में वृद्धि और शहरी विवेकाधीन व्यय में स्थिरता** से घरेलू उपभोग को समर्थन मिल रहा है।
- **मुद्रास्फीति के रुझान और निहितार्थ:**
  - **जून 2024 में** हेडलाइन मुद्रास्फीति **बढ़कर 5.1% हो गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ना है। ईंधन की कीमतों**

में गरिावट के साथ कोर मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन की कीमतों को छोड़कर) में कमी आई।

- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) **बास्केट में खाद्य पदार्थों का महत्त्वपूर्ण भार (लगभग 46%) होने के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों का समग्र मुद्रास्फीति पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। खाद्य पदार्थों, वशिषेकर सब्जियों की उच्च कीमतों ने मुख्य मुद्रास्फीति को बढ़ा दिया है।**
  - **भावी दृष्टकिोण: यद्यपि अल्पावधि में खाद्य मुद्रास्फीति उच्च बनी रहने की उम्मीद है, फरि भी अनुकूल आधार प्रभाव और बेहतर मानसून की स्थिति के कारण कुछ राहत मलि सकती है।**
- **वत्तिीय बाज़ार की स्थतियाँ:**
  - MPC ने कहा कि **आर्थिक मंदी, भू-राजनीतिक तनाव और कैरी ट्रेड गतशीलता में बदलाव** की चतिाओं के कारण **वैश्वकि वत्तिीय बाज़ारों में अस्थरिता का अनुभव हुआ है।**
    - इसके बावजूद, भारत के वत्तिीय बाज़ार मज़बूत **समष्टि आर्थिक बुनियादी अवसंरचना** के समर्थन से स्थरि हैं।
- **अतरिक्ति उपाय:**
  - **डजिटिल ऋण ऐप्स रपॉजिटिरी:**
    - RBI **बैंकों जैसी वनियिमति संस्थाओं (RE)** द्वारा उपयोग कयि जाने वाले **डजिटिल लेंडगि ऐप्स (DLA)** का एक सार्वजनकि संग्रह स्थापति करेगा। इस उपाय का उद्देश्य उपभोक्ताओं को **अनधकिृत डजिटिल ऋण** की पहचान करने में सहायता करना और डजिटिल लेंडगि पारस्थितिकी तंत्र में अधकि पारदर्शति सुनश्चिति करना है।
      - यह घटनाक्रम RBI के डजिटिल ऋण पर सतिंबर 2022 के दशिानर्दिेशों के बाद आया है, जो **RBI वर्कगि ग्रुप** की एक रपिोर्ट से प्रेरति है, जसिमें खुलासा कयि गया है कि **भारतीय एंड्रॉइड उपयोगकर्त्ताओं के लयि उपलब्ध 1,100 डजिटिल लेंडगि ऐप्स में से लगभग 600 अवैध हैं।**
    - **अनयिमति डजिटिल ऋण के कारण उपभोक्ताओं का शोषण बढ़ रहा है,** जसिसे इस तेज़ी से वकिसति हो रहे क्षेत्र में कड़े नयिमन और उपभोक्ता सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है।
    - RBI ने वनियिमति संस्थाओं से यह सुनश्चिति करने को कहा कि **उधार सेवा प्रदाता (LSP)** और DLA दशिा-नर्दिेशों का पालन करें। उन्हें ब्याज दरों का खुलासा पहले ही कर देना चाहयि, उधारकर्त्ताओं को उत्पाद ववरिण की जानकारी देनी चाहयि तथा जम्मिेदार ऋण देने को बढ़ावा देने हेतु उधारकर्त्ताओं की आर्थकि प्रोफाइल को कैप्चर करना चाहयि।
  - **यूपीआई लेनदेन सीमा:**
    - **यूनफिाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI)** के माध्यम से कर भुगतान के लयि लेनदेन की सीमा **1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए** की जाएगी। यह समायोजन उपभोक्ताओं के लयि आसान और अधकि कुशल कर भुगतान की सुवधि हेतु बनाया गया है।
      - इस संशोधन **का लक्ष्य प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान के उच्च मूल्य और आवृत्ति को त्वरति** और सुवधिाजनक बनाना है।।
    - RBI यूपीआई के माध्यम से **'प्रत्यायोजति भुगतान'** शुरू करने की भी योजना बना रहा है, जसिसे **द्वतीयक उपयोगकर्त्ता (जैसे पति या पत्नी)** प्राथमकि उपयोगकर्त्ता के बैंक खाते का उपयोग करके भुगतान कर सकेंगे
      - प्राथमकि यूपीआई उपयोगकर्त्ता अपने खातों पर द्वतीयक उपयोगकर्त्ताओं के लयि वशिष्टि भुगतान सीमाएँ नर्धिारति करने में सक्षम होंगे।
      - इस सुवधि से डजिटिल भुगतान की पहुँच का वसि्तार होने और यूपीआई के 424 मलियिन व्यक्तयिों के बढ़ते उपयोगकर्त्ता आधार को पूरा करने की उम्मीद है।
  - **नरिंतर चेक समाशोधन:**
    - आरबीआई ने भुगतान में तेज़ी लाने और दक्षता बढ़ाने हेतु दो कार्य दवि्सों के वर्तमान समाशोधन चक्र के बजाय **'ऑन-रयिलाइजेशन-सेटलमेंट' चेक ट्रंकेशन ससि्टम के साथ चेक के नरिंतर समाशोधन** का प्रस्ताव दयि है।
      - इस प्रणाली का उद्देश्य **प्रस्तुति के दनि कुछ घंटों के भीतर चेक का समाशोधन करना,** दक्षता में सुधार करना, नपिटान जोखमि को कम करना और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है।

लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा

- फरवरी 2015 में शुरू कयि गए, FIT का उद्देश्य आर्थकि वकिास को समर्थन देने के लयि अस्थायी वचिलन की अनुमति देते हुए **4% (±2%) के लक्ष्य के साथ मुद्रास्फीति को नयिंत्रति करना है।**
- **RBI और वति्त मंत्रालय (GoI)** के बीच एक समझौते के माध्यम से स्थापति इस ढाँचे का उद्देश्य वकिास को समायोजति करते हुए मुद्रास्फीति का प्रबंधन करना है। यह ढाँचा **उर्जति पटेल समति की रपिोर्ट (UPCR)** की सफिारशिों पर आधारति है।
- FIT का उद्देश्य मुद्रास्फीति को स्थरि करना है, जो **व्यापक आर्थकि स्थरिता को बढ़ा कर वकिास को बढ़ावा दे सकता है।**
- RBI अधनियिम, 1934 को मौद्रकि नीति ढाँचे के लयि वैधानकि आधार प्रदान करने हेतु वर्ष 2016 में संशोधति कयि गया था। **संशोधन में प्रत्येक पाँच वर्ष में एक बार RBI के परामर्श से सरकार द्वारा मुद्रास्फीति लक्ष्य नर्धिारति करने का प्रावधान है।**
- इस ढाँचे को **मौद्रकि नीति को अधकि पारदर्शी और पूर्वानुमानति बनाने हेतु डज़िाइन कयि गया है,** जो RBI और सरकार के बीच समन्वय को मज़बूत कर सकता है।

//

[illegible]:

[illegible]. [illegible]

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

[illegible]

प्रश्न. मौद्रकि नीत समति (MPC) के संबंध में नम्निलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

यह आरबीआई की बेंचमार्क ब्याज दरों को तय करती है।
2. यह आरबीआई के गवर्नर सहित 12 सदस्यीय निकाय है जिसका प्रतिवर्ष पुनर्गठन किया जाता है।
3. यह केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में कार्य करती है।

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये :

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. यदि भारतीय रिज़र्व बैंक एक विस्तारवादी मौद्रिक नीति अपनाने का निर्णय लेता है, तो वह निम्नलिखित में से क्या नहीं करेगा? (2020)

1. वैधानिक तरलता अनुपात में कटौती और अनुकूलन
2. सीमांत स्थायी सुविधा दर में बढ़ोतरी
3. बैंक रेट और रेपो रेट में कटौती

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

?????:

प्रश्न: क्या आप इस बात से सहमत हैं कि स्थिर जीडीपी वृद्धि और कम मुद्रास्फीति ने भारतीय अर्थव्यवस्था को अच्छी स्थिति में रखा है? अपने तर्कों के समर्थन में कारण बताइये। **(2019)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rbi-s50th-monetary-policy-committee-meeting